

न्यायालय सहायक कलक्टर (मु०)-सीकर

उपनाम-

मुन्नी देवी

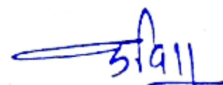
बनाम

छिगन लाल

किस्म मुकदमा- आ० पत्र अ०धारा 212 आर.टी.ए. 1955

मु.नं० 29 वर्ष 2022

दिनांक	आज्ञा पत्र
25.09.2025	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। वकील उभय पक्ष की बहस टी०आई० सुनी गई। बहस के दौरान वकील प्रार्थीया ने निवेदन किया कि उभय पक्ष को पाबन्द करते हुए टी०आई० कंफर्म करें।</p> <p>बहस के दौरान वकील अप्रार्थीगण ने निवेदन किया कि विवादित भूमि पैतृक सम्पत्ति है। दो भाईयों ने अपने दोनों भाईयों को विमोचन पत्र करवा दिया है। प्रार्थीया के हिस्से पर हम कोई हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। प्रार्थीया द्वारा प्रस्तुत टी०आई० चलने योग्य नहीं है इसलिए टी०आई० खारिज की जावे।</p> <p>हमने वकील उभय पक्ष की बहस सुनी, उसपर मनन किया तथा पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड का अवलोकन किया, जिससे जाहिर है कि प्रार्थीया द्वारा प्रार्थना-पत्र 212 आरटीएक्ट पेश करने पर न्यायालय द्वारा दिनांक 17.05.22 को अप्रार्थीगण के विरुद्ध अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की जाकर राजस्व ग्राम शिशू प०ह० शिशू तहसील दांतारामगढ़, सीकर की वादग्रस्त आराजी ख०नं० 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1812, 1813, 1814 कुल किता 8 कुल रकबा 3.7600 है० ख०नं० 1808/1 कुल रकबा 0.4200 है० के वर्तमान राजस्व रिकार्ड की यथार्थिथि बनाए रखने हेतु अप्रार्थीगण को पाबन्द किया गया था।</p> <p>चूंकि प्रार्थीया द्वारा वाद वादत उदघोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा अंतर्गत धारा 88, 188 राज०काश्त०अधिनियम पेश किया है, जो वर्तमान में तनकी में विचाराधीन चल रहा है। तनकी निर्धारण के बाद साक्ष्य/सबूत पेश होने पर वाद का मेरिट के आधार पर निस्तारण किया जाना है। विवादग्रस्त भूमियों पर वाद विवाद बहुलता नहीं बढ़े इसलिए न्यायहित में न्यायालय प्रार्थीया द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र अंतर्गत धारा 212 आरटीएक्ट स्वीकार कर मूल वाद के निस्तारण तक उभय पक्ष को जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द करना उचित समझता है।</p> <p>अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थीया द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र अंतर्गत धारा 212 आरटीएक्ट स्वीकार किया जाकर उभय पक्ष को जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि राजस्व ग्राम शिशू प०ह० शिशू तहसील दांतारामगढ़, सीकर की वादग्रस्त आराजी ख०नं० 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1812, 1813, 1814 कुल किता 8 कुल रकबा 3.7600 है० ख०नं० 1808/1 कुल रकबा 0.4200 है० भूमि में मूल वाद के निस्तारण तक भूमि के वर्तमान राजस्व रिकार्ड की यथार्थिथि बनाए रखें। पत्रावली फैशल शुमार होकर नंबर से कम हो।</p>


सहायक कलक्टर (मु०)सीकर